आईआईएम राँची में एग्जीक्यूटिव एमबीए विंटर बैच शुरू

'संस्थान में उपलब्ध शिक्षण अवसरों का भरपूर लाभ लें'

- एमबीए (कार्यकारी) 2026-28 शीतकालीन सत्र का उद्घाटन
- कार्यक्रम में अनुभवी पेशेवरों के लिए नई शैक्षणिक यात्रा की शुरुआत

आइआइएम में आयोजित कार्यक्रम में अतिथि का स्वागत करते निदेशक। स्रोत स्वयं

जागरण संवाददाता, रांची : आइआइएम रांची ने उद्योग जगत के नेताओं और वरिष्ठ संकाय सदस्यों की उपस्थिति में एमबीए (कार्यकारी) 2026-28 शीतकालीन सत्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पतरातु विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के सीईओ अशोक कुमार सहगल और विशिष्ट अतिथि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज (रेनुकोट) के मानव संसाधन प्रमुख अजय कुमार सिन्हा थे। कार्यक्रम में डीन (अकादमिक) प्रो. तनुश्री दत्ता, प्रो. नितिन सिंह और एमबीए (कार्यकारी) के अध्यक्ष प्रो. राजीव रंजन कुमार भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. राजीव रंजन कुमार के स्वागत भाषण से हुआ, जिसमें उन्होंने छात्रों के नए बैच का स्वागत किया और उन्हें आइआइएम रांची में उपलब्ध शिक्षण अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। संस्थान के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्रबंधन को केवल पारंपरिक तरीके से नहीं पढ़ाया जा सकता, बल्कि यह एक बहुआयामी और विकसित होती वास्तविकता है। उन्होंने समझाया कि प्रबंधन में वस्तुनिष्ठ समझ, प्राकृतिक डिजाइन, विरासत में मिली सीख और अनुभव आधारित अंतर्दृष्टि शामिल हैं।

प्रो. श्रीवास्तव ने इस बात पर जोर दिया कि एमबीए (कार्यकारी) कार्यक्रम न केवल ज्ञान बढ़ाता है, बल्कि मजबूत पेशेवर नेटवर्क भी बनाता है। उन्होंने छात्रों को संस्थान में उपलब्ध शैक्षणिक प्रणाली, शिक्षण विधियों और सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी।

अशोक कुमार सहगल ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम को उद्योग में वर्षों बिताने के बाद अकादमिक क्षेत्र में लौटने वाले पेशेवरों के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा बताया। उन्होंने कहा कि तकनीकी व्यवधानों और बदलते व्यावसायिक परिवेश के कारण दुनिया तेजी से बदल रही है। विशिष्ट अतिथि अजय कुमार सिन्हा ने इस बात पर बल दिया कि एमबीए (कार्यकारी) जैसे कार्यक्रम भविष्य के नेताओं को आकार देने में सहायक होते हैं। उन्होंने छात्रों को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने, नए विचारों को विकसित करने और आत्मविश्वास के साथ जटिल व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित किया। उद्घाटन सत्र प्रतिभागियों के बीच उत्साह और प्रतिबद्धता की भावना के साथ समाप्त हुआ।

Dainik Jagran_23.02.2026_P. 4

आइआइएम में एक्जीक्यूटिव एमबीए विंटर बैच शुरू

रांची. आइआइएम रांची में एमबीए (एक्जीक्यूटिव) 2026-28 विंटर बैच शुरू हुआ. उदघाटन सत्र में उद्योग जगत के विशिष्ट अतिथियों और संस्थान के वरिष्ठ प्राध्यापक उपस्थित रहे. मुख्य अतिथि सीइओ पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड अशोक कुमार सहगल, एचआर हेड हिंडाल्को इंडस्ट्रीज अजय कुमार सिन्हा, संस्थान के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव, डीन (शैक्षणिक) प्रो तनुश्री दत्ता, प्रो नितिन सिंह, प्रो राजीव रंजन कुमार आदि उपस्थित थे.

Prabhat Khabar_23.02.2026_P. 7

प्रबंधन शिक्षा अनुभव को देगी नई मजबूती: सहगल

- आईआईएम रांची में एक्जीक्यूटिव एमबीए विंटर बैच का शुभारंभ
- प्रबंधन के सिद्धांत और व्यावहारिक अनुभव मिलकर बनाएंगे लीडर्स

रांची, विशेष संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रांची में सोमवार को एमबीए, एक्जीक्यूटिव 2026-28 विंटर बैच के उद्घाटन के साथ अनुभवी पेशेवरों के लिए एक नई शैक्षणिक यात्रा की शुरुआत हुई। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के सीईओ अशोक कुमार सहगल और विशिष्ट अतिथि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज (रेणुकूट) के एचआर प्रमुख अजय सिन्हा उपस्थित रहे। डीन अकादमिक प्रो. तनुश्री दत्ता, प्रो. नितिन सिंह और एमबीए एक्जीक्यूटिव के अध्यक्ष प्रो. राजीव रंजन कुमार भी मौजूद थे।

अशोक सहगल ने इस सत्र को उद्योग में वर्षों का अनुभव रखने वाले पेशेवरों के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा बताया। कहा, तकनीकी बदलावों और बदलते व्यावसायिक परिवेश के कारण विश्व तेजी से परिवर्तित हो रहा है। अजय सिन्हा ने छात्रों को नेतृत्व क्षमता विकसित करने और जटिल चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए प्रेरित किया।

आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि एमबीए एक्जीक्यूटिव न सिर्फ ज्ञानवर्धन करता है, बल्कि मजबूत पेशेवर नेटवर्क के निर्माण में भी सहायक होता है।